This question paper contains 2 printed pages.

Roll No. :

Unique Paper Code : **121303404**

Title of the Paper : **दशरूपक एवं संस्कृत काव्यशास्त्र का सर्वेक्षण**

Daśarūpaka & Survey of Sanskrit Poetics

Type : **OEC**

Name of the Course : : **MA (Sanskrit), May-2025**

Semester : **IV**

Duration : **3 Hours**

Maximum Marks : **70**

इस प्रश्नप्रत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमाँक लिखिए ।

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper)

टिप्पणी: अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत **या** हिन्दी **या** अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit **or** in Hindi **or** in English but the same medium should be used throughout the paper.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Attempt all the Question.

1. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए: 4x7=28

Explain the following:

(i) अवस्थाः पञ्च कार्यस्य प्रारब्धस्य फलार्थिभिः ।
आरम्भयत्नप्राप्त्याशानियताप्तिफलागमाः ॥

अथवा/OR

दर्पमात्सर्यभूयिष्ठो मायाछद्मपरायणः ।
धीरोद्धतस्त्वहङ्कारो चलश्चण्डो विकत्थनः ॥

(ii)ज्ञायमानतया तत्र विभावो भावपोषकृत् ।
आलम्बनोद्दीपनत्वप्रभेदेन स च द्विधा ॥

अथवा/OR

रम्यं जुगुप्सितमुदारमथापि नीचम् उग्रं प्रसादि गहनं विकृतं च वस्तु।
यद्वाप्यवस्तु कविभावकभाव्यमानं तन्नास्ति यन्न रसभावमुपैति लोके॥

(iii)स्वल्पोद्दिष्टस्तु तद्धेतुर्बीजं विस्तार्यनेकधा ।
अवान्तरार्थविच्छेदे बिन्दुरच्छेदकारणम् ॥

अथवा/OR

शोभा विलासो माधुर्यं गाम्भीर्यं धैर्यतेजसी ।
ललितौदार्यमित्यष्टौ सत्त्वजाः पौरुषा गुणाः॥

(iv)विशेषादाभिमुख्येन चरन्तो व्यभिचारिणः ।
स्थायिन्युन्मग्ननिर्मग्नाः कल्लोला इव वारिधौ

अथवा/OR

विकृताकृतिवाग्वेषैरात्मनोऽथ परस्य वा ।
हासः स्यात् परिपोषोऽस्य हास्यस्त्रिप्रकृतिः स्मृतः

2. किन्ही **चार** पर टिप्पणी लिखिए, जिनमें से **एक** संस्कृत में होनी चाहिये: **5+5+5+7= 22**

Write short note on the following, **one** of which should be in **Sanskrit:**

(i). नाट्यधर्माश्रित वस्तु (Nāṭyadharmāśrita vastu) **अथवा/OR** सात्त्वती वृत्ति (sāttvatī vṛtti)

(ii). व्यभिचारिभाव (Vyabhicāribhāva) **अथवा/OR** श्रृंगाररस() śṛṅgārarasa)

(iii). अलंकारसिद्धान्त (Alaṁkārasiddhānta) **अथवा/OR** रससिद्धान्त(Rasasiddhānta)

(iv). आचार्य भरत (Ācārya Bharata) **अथवा/OR** आचार्य मुकुलभट्ट (Ācārya Mukulabhaṭṭa)

3. दशरूपककार का परिचय देते हुए स्पष्ट करें कि उन्होंने नाट्यशास्त्र जैसे विस्तृत ग्रन्थ के होने पर भी दशरूपकम् की रचना क्यों की? **10**

Introduce Daśarūpakakāra and explain why, despite the existence of a comprehensive text like Nāṭyaśāstra, he created Daśarūpaka?

अथवा/OR

आचार्य धनिक की शान्तरस विषयक अवधारणा क्या है? उनके द्वारा दिए गए तर्कों की विवेचना करते हुए तर्क सहित अपना मत स्पष्ट करें।

What is Ācārya Dhanika's concept of Śāntarasa? Explain and evaluate the arguments presented by him, and clearly state your opinion with logic.

4. औचित्यसिद्धान्त पर सारगर्भित निबन्ध लिखें तथा तर्कसहित स्पष्ट करें कि क्या औचित्यतत्त्व काव्य की आत्मा माना जा सकता है? **10**

Write a comprehensive essay on the Aucityasiddhānta and explain with arguments whether the concept of propriety can be considered the soul of poetry

अथवा/OR

पण्डितराज जगन्नाथ के काव्यशास्त्रीय अवदान को निरूपित करते हुए तर्क सहित स्पष्ट करें कि काव्यशास्त्र के इतिहास में उनका क्या स्थान है?

Explain the contributions of Paṇḍitarāja Jagannātha to Sanskrit poetics and clarify their position in the history of poetics with arguments.